राष्ट्रीय सहारा
कानपुर। रविवार • 26 मार्च • 2023

सीएसए के कार्यवाहक कुलपति को मिला कार्यकाल विस्तार

कानपुर। कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कार्यवाहक कुलपति डॉ.विजेन्द्र सिंह के कार्यकाल को विस्तारित कर दिया है। उनका कार्यकाल 25 मार्च को समाप्त हो रहा था। कुलाधिपति ने कार्यकाल विवि में नियमित कुलपति की नियुक्ति होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक के लिए विस्तारित किया है।

दैनिक जागरण कानपुर 26/03/2023

श्रीअन्न के लिए बदलेगा फसल चक्र, सीएसए बना रहा माडल

अखिलेश तिवारी • कानपुर

- मिलेट्स की कुछ फसलें केवल खरीफ में होती हैं तैयार
- खरीफ की फसलों को जायद में शामिल करने का प्रस्ताव

श्रीअन्न फसलों का उत्पादन बढ़ाने में बड़ी चुनौती खेती के रकबे के साथ तालमेल बिठाने की है। श्रीअन्न उत्पादन से खरीफ फसल चक्र में शामिल मूंग-उड़द जैसी दलहनी फसलों का मौजूदा उत्पादन प्रभावित होने का खतरा है। इसलिए खरीफ की फसल चक्र में बदलाव कर मक्का, बाजरा, मूंग, उड़द को जाय्रद सीजन में शामिल करने का माडल तैयार किया गया है। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के निर्देश पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) ने नया फसल चक्र तैयार किया है। विश्वविद्यालय ने सभी कृषि विकास केंद्रों पर जायद सीजन में दो एकड़ हिस्से में श्रीअन्न फसलों की खेती का फैसला किया है।

श्रीअन्न की कई फसलें कोदों, मडुआ और काकुन, कुट्टू ऐसी हैं जिन्हें केवल खरीफ सीजन में ही उगाया जा सकता है। श्रीअन्न की बढ़ती मांग और निर्यात संभावना, सरकार की प्रोत्साहन नीतियों से किसानों ने भी श्रीअन्न उत्पादन में दिलचस्पी दिखानी शुरू कर दी है। सरकार की चिंता है कि अगर प्रदेश के किसानों ने खरीफ सीजन में श्रीअन्न उत्पादन पर अधिक जोर दिया तो प्रदेश का खरीफ फसल उत्पादन घट जाएगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि विज्ञानियों से प्रयोग कर किसानों के लिए खेती का नया फसल चक्र तैयार करने के लिए कहा है।

रागी की खेती • सीएसए

सीएसए कार्यक्षेत्र के 14 जिलों में खरीफ खेती का क्षेत्रफल

धान	20 .3 लाख हेक्टेयर
बाजरा	10 .1 लाख हेक्टेयर
मक्का	29 .2 लाख हेक्टेयर
उड़द	56685 हेक्टेयर
तिल	64961 हेक्टेयर
मूंग	26385 हेक्टेयर
मूंगफली	91424 हेक्टेयर
ज्वार	1.18 लाख हेक्टेयर

सीएसए ने शुरू किया काम : सीएसए ने खरीफ फसलों में उगाई जाने वाली मूंग, उड़द फसलों का रकबा कम करते हुए इन्हें जायद फसल चक्र में शामिल किया है। इसके लिए उन विशेष प्रजातियों को उगाया जाएगा जो जायद मौसम यानी गर्मी सहन करने की क्षमता रखती हैं और इनका उत्पादन भी सामान्य फसलों की तरह ही है। सीएसए के सभी 15 कृषि विकास केंद्रों पर इस बार दो-दो एकड़ में जायद सीजन के दौरान मूंग और उड़द की खेती होगी। इसी के साथ खरीफ फसल के दौरान इस रकबे में सांवा, मडुआ, कोदों, काकुन, कुट्टू की खेती होगी।

कृषि विकास केंद्रों पर सफल खेती कर किसानों को बताया जाएगा कि जायद में मूंग, उड़द की खेती कर अपने खेत को खरीफ फसल के दौरान श्रीअन्न फसलों के लिए खाली किया जा सकता है। इससे खरीफ फसलों का उत्पादन प्रभावित नहीं होगा और किसानों की आय भी बढ़ेगी।

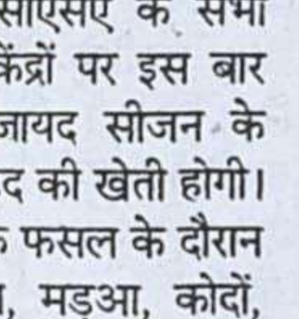

डा आरके यादव, निदेशक प्रसार सीएसए

फसल की बीमारी को पहचान कर रोबोट करेगा ट्रीटमेंट

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

● सीएसए के खेतों में चल रहा क्रॉप ट्रीटमेंट इक्विपमेंट रोबोट का ट्रायल.

सीएसए और आईआईटी ने मिल कर बनाया क्रॉप ट्रीटमेंट इक्विपमेंट नाम का रोबोट

kanpur@inext.co.in

KANPUR (25 March): खेतों में खड़ी फसलों में होने वाली डिसीज को लेकर प्रोडक्शन घटने से फार्मर्स को परेशान होने की जरूरत नहीं है. चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) और आईआईटी कानपुर ने एक ऐसा रोबोट तैयार किया है जो कि खेत में खड़ा होकर फसलों में होने वाले रोगों को बताएगा साथ ही हल्का-फुल्का रोग होने पर दवा का छिड़काव भी कर देगा. सेंट्रल गवर्नमेंट से इस रोबोट को पेटेंट सर्टिफिकेट भी मिल गया है.

कीमत 25 लाख से ऊपर

सीएसए के प्लांट पैथोलॉजी डिपार्टमेंट के साइंटिस्ट डॉ. एसके बिस्वास, आईआईटी के डॉ. अनिरुद्ध भट्टाचार्य, डॉ. विशाख भट्टाचार्य और डॉ. महेंद्र कुमार गोहिल ने टीम के साथ मिल कर जिस रोबोट को तैयार किया है, उसका नाम शस्य उपचार यंत्र (क्रॉप ट्रीटमेंट इक्विपमेंट) रखा गया है. साइंटिस्ट और टेक्नोलॉजी के एक्सपर्ट की ओर से बनाए गए रोबोट की कीमत 25 लाख से ऊपर हो सकती है. हालांकि कीमत को लेकर अभी तक कोई ऑफिशियल डिक्लेरेशन नहीं किया गया है. ऐसे में यह रोबोट रिच फॉर्मर्स और एफपीओ के लिए उपयोगी साबित होगा. एफपीओ के जरिए इस रोबोट का उपयोग छोटे फार्मर भी कर सकेंगे.

आलू, टमाटर की फसल...

यह रोबोट आलू और टमाटर की क्रॉप में पौधों की कैनोपी, टेंपरेचर, ह्यूमिडीटी, और डिसीज के सिम्टम्स को पहचानने के बाद उसके मैनेजमेंट का काम करेंगा. सीएसए के डॉ. बिस्वास ने बताया कि इस रोबोट से फार्मर क्रॉप में सीरियस डिसीज के नुकसान पहचानने के पहले उसका मैनेजमेंट कर सकेंगे.

डिसीज की प्री इंफॉर्मेशन

उन्होंने यह भी बताया कि रोबोट फ्यूचर में होने वाली डिसीज की पॉसिबिलिटीज पर वार्निंग भी देने का काम करेगा. डिसीज की प्री इंफार्मेशन मिलने से उसका मैनेजमेंट आर्गेनिक मैथड से हो सकेगा, आर्गेनिक मैनेजमेंट होने की वजह से मनुष्यों पर केमिकल्स का साइड इफेक्ट नहीं होगा. यह इस आधुनिक रोबोट का एक बेहद इंपार्टेंट फैक्टर है.

ऐसे काम करेगा रोबोट

- रोबोट को एक खेत में इस्टैबलिश किया जाएगा, जिसके बाद यह खेतों में इंसान की तरह घुमेगा
- रोबोट में सेंसर और कैमरे लगे हुए है, वह पौधों में डिसीज को आईडेंटिफाई कर मेमोरी में डिसीज का नाम और फोटो सेव कर लेगा
- इसके बाद आपके पास मोबाइल में डिसीज के होने का मैसेज आएगा या फिर आप स्वयं भी मेमोरी को चेक कर सकते है

दवा का छिड़काव भी करेगा

रोबोट बीमारी की इंफार्मेशन देने के साथ साथ छोटी-मोटी डिसीज का ट्रीटमेंट भी खुद ही कर देगा. रोबोट में टंकी लगी है, जिसमें आर्गेनिक पेस्टीसाइड (जीवामृत, घनामृत, ट्राइकोडर्मा) आदि भरा होगा. डिसीज का पता लगने पर बीमारी के अनुसार स्वयं ही पौधे पर पेस्टीसाइड का छिड़काव हो जाएगा. रोबोट की मेमोरी की पड़ताल करने पर डिसीज पता भी चल जाएगी.

एआई, एमएल पर काम

यह रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) पर काम करेगा. इसमें आलू और टमाटर में लगने वाली डिसीज और उनके सिम्टम्स को सेव किया गया है, जिसको वह एआई के जरिए आईडेंटिफाई करता है. उसके बाद दवा का छिड़काव मशीन लर्निंग के जरिए होता है. भविष्य में यह रोबोट आधुनिक खेती को बढ़ावा देने में बहुत हेल्पफुल साबित होगा.

एनडीयूटी विवि कुलपति का हुआ सेवा विस्तार

कानपुर । डॉ0 बिजेन्द्र सिंह, कुलपति आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या का कार्यकाल दिनांक 25 मार्च को समाप्त हो रहा है तथा वर्तमान में नियमित कुलपति की नियुक्ति में कुछ समय लगने की सम्भावना है। जिस पर कुलाधिपति आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या उत्तर प्रदेश कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय अधिनियम, 1958 की धारा-11 (6) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डॉ0 बिजेन्द्र सिंह का कुलपति के रूप में कार्यकाल को नियमित कुलपति की नियुक्ति होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, विस्तारित किया।

अमर उजाला कानपुर 27/03/2023

स्वामी विवेकानंद के बताए रास्ते पर चलें छात्र

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) की राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से प्रसार निदेशालय के सभागार में विशेष शिविर का आयोजन हुआ। कृषि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सीएल मौर्या ने छात्रों को स्वामी विवेकानंद के बताए रास्ते पर चलने के साथ समाजसेवा के लिए प्रेरित किया। डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. संजीव कुमार सिंह, डॉ. आरके पाठक ने छात्रों को समाजसेवा और गरीब बच्चों को शिक्षित करने की शपथ दिलाई। (ब्यूरो)

अमर उजाला कानपुर 26/03/2023

न्यूज डायरी

सीएसए के कार्यवाहक वीसी का कार्यकाल बढ़ा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के वीसी का कार्यभार संभाल रहे अयोध्या स्थित आचार्य नरेंद्र देव-(एएनडी) कृषि एंव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वीसी डॉ. बिजेंद्र सिंह का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। इस संबंध में राज्यपाल व चांसलर आनंदी बेन पटेल की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जब तक सीएसए में नियमित वीसी की नियुक्ति नहीं होती है या इस संबंध में कोई अन्य आदेश जारी नहीं किया जाता है, तबतक वह कार्यभार संभालेंगे। बताते चलें कि सीएसए के पूर्व वीसी डॉ. डीआर सिंह के कार्यकाल पूरा होने और उनके बिहार जाने के बाद से सीएसए के वीसी का चार्ज एएनडी कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वीसी के पास है। (ब्यूरो)

हिंदुस्तान कानपुर 26/03/2023

सीएसए कुलपति का कार्यकाल बढ़ा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह का कार्यकाल कुलपति की नियमित नियुक्ति होने व अग्रिम आदेश तक बढ़ा दिया गया है। वह आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या का कार्यभार भी देखेंगे। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को कार्यकाल विस्तार का आदेश जारी कर दिया।